बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm- 64
29/01/2020

बोधगया को आइकॉनिक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने को लेकर मुख्यमंत्री ने दिये आवश्यक दिशा–निर्देश

➢ मुख्यमंत्री ने की बोधगया के विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक एवं स्थल भ्रमण

पटना, 29 जनवरी 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में महाबोधि मंदिर एवं बोधगया के विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमिटी (बी0टी0एम0सी0) के सभाकक्ष में हुई इस बैठक में पर्यटन विभाग एवं बी0टी0एम0सी0 द्वारा बोधगया को आइकॉनिक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने हेतु तय की गयी समेकित कार्ययोजना एवं अन्य योजनाओं के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण में बोधगया में प्रतिवर्ष आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या, महाबोधि मंदिर के करेंट लैंड यूज, होटल्स की संख्या, इनटेंसिटी ऑफ टूरिस्ट एक्टिविटी, प्रपोज्ड इंटरवेंशन्स जोन, एरिया एलोकेशन, प्रेजेंट मूवमेंट ऑफ टूरिस्ट, महाबोधि पथ, धम्म चक्र चौक, एप्रोचड टू महाबोधि कॉम्प्लेक्स, इंटरनेशनल वेलनेस एंड योगा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गयी। इसके साथ ही रिडेवेलपमेंट ऑफ माया सरोवर पार्क, मल्टीमीडिया पार्किंग, द इंटरनेशनल सेंटर ऑफ बुद्धिज्म लर्निंग, मेडिटेशन गार्डन, मुचलिन्द सरोवर वाटर ट्रीटमेंट, बी0टी0एम0सी0 के प्रपोज्ड मास्टर प्लान जैसे विषयों पर भी मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी गयी।

समीक्षा बैठक के पश्चात मुख्यमंत्री ने जयप्रकाश उद्यान, मुचलिंद सरोवर एवं माया सरोवर का भ्रमण किया। समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 100 बेड का सेंटर बनाया जाएगा जिसका स्टैंडर्ड फाइव स्टार होटल की तरह हो ताकि इसे फाइव स्टार होटल वाले लेकर चला सकें। इसके लिए अगस्त–सितंबर में ही कैबिनेट से एप्रुवल हो चुका है। सुझाव के तौर पर उन्होंने कहा कि महाबोधि मंदिर और जयप्रकाश उद्यान को ऊपर से लिंक करते हुए आवागमन का रास्ता इस प्रकार से बनाएं कि नीचे से जो पाथ–वे चल रहा है उसमें किसी प्रकार का व्यवधान न हो। इसके लिये जे0पी0 उद्यान में मंदिर से आवागमन के लिये एस्केलेटर लगाना होगा। उन्होंने कहा कि यहां पूजा और प्रार्थना करने बड़ी संख्या में लोग आते हैं उनके लिए यहां पर्याप्त जगह होनी चाहिए। पटना के बुद्ध स्मृति पार्क में विपश्यना केंद्र बना हुआ है आपलोग यहां योग सेंटर बनाना चाह रहे हैं, वह तो ठीक है लेकिन विपश्यना भी भगवान बुद्ध से जुड़ा हुआ है उसका भी ध्यान रखिए। जे0पी0 उद्यान का निरीक्षण करने के क्रम में मुख्यमंत्री ने जे0पी0 उद्यान को और विकसित करने के साथ–साथ इसके सौंदर्यीकरण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस पार्क को और अधिक सुंदर बनाते हुए इसकी चहारदीवारी को और अच्छा बनाइये। मुचलिंद सरोवर के विकास कार्यों का जायजा लेते हुये उन्होंने निर्देश दिया कि सरोवर में मिट्टी के स्टेप बनवाइये, इसमें बाउंड्री वॉल की कोई आवश्यकता नहीं है। वर्ष 2010 में हम यहॉ आये थे। भूमि अधिग्रहण का काम यहां पिछले साल दिसंबर माह में ही पूरा हो गया है। सरोवर के

चारों ओर पेड़ लगवाइये। उन्होंने कहा कि यह सरोवर कोई नॉर्मल सरोवर नहीं है बल्कि ज्ञान प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध यहां आकर ठहरे थे। यहां आने के लिए नदी से काफी घुमावदार रास्ता है। महाबोधि मंदिर से इसकी दूरी कम हो इसके लिए आने का सीधा रास्ता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसकी गहराई और बढ़ाकर सोलर प्लांट लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें, साथ ही सरोवर में नीचे से पानी के जलस्रोत का प्रबंध कीजिए ताकि पानी स्वच्छ रहे। मुख्यमंत्री ने माया सरोवर के इंप्रुवमेंट के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सरोवर को और अधिक गहरा करने की जरुरत है ताकि इसमें पानी मेंटेन रह सके। साथ ही सरोवर परिसर में पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करें और यहॉ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रारंभ करायें। यहॉ कम से कम पॉच से सात हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था हो। कन्वेंशन सेंटर एवं सुजाता होटल को माया सरोवर से कनेक्ट करने का भी मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया। स्टेट गेस्ट हाउस और कन्वेंशन सेंटर का मुख्यमंत्री ने अवलोकन कर अधिकारियों से उनके विकास कार्यों का जायजा लिया।

इसके पूर्व बोधगया एयरपोर्ट पर स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध के दर्शन किये एवं पूजा–अर्चना की। उन्होंने बोधिवृक्ष को भी नमन किया। महाबोधि मंदिर की परिक्रमा एवं भ्रमण के क्रम में मेडिटेशन पार्क, ढाई सौ बेड के बनने वाले पुलिस बैरक, वॉच टॉवर, मुचलिंद सरोवर आदि के विकास कार्यों का जायजा लिया। मंदिर भ्रमण के क्रम मुख्यमंत्री ने कहा कि वॉच टॉवर से निरंतर निगरानी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बैरक का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरु हो।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, पर्यटन मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, सांसद श्री विजय मांझी, विधायक श्री अभय कुशवाहा, विधायक श्री विनोद सिंह यादव, विधान पार्षद श्रीमती मनोरमा देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, गया के जिलाधिकारी श्री अभिषेक कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार, अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारीगण एवं महाबोधि मंदिर प्रबंधन कमिटी से जुड़े अधिकारीगण मौजूद थे।

******